वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-07

भाषा विज्ञान

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - अ

नोट : इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है। 8×2 = 16

प्रश्न 1 **भाषा का अर्थ बतायें।**

प्रश्न 2 **बिहारी हिंदी के अंगर्तत कौन कौन सी बोलियाँ आती हैं-**?

प्रश्न 3 **राजभाषा किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 4 **अर्थ विज्ञान से आप क्या समझते हैं-**?

प्रश्न 5 **वाक्य की परिभाषा दें।**

प्रश्न 6 **भाषा और बोली में अंतर बतायें।**

प्रश्न 7 **शैली विश्लेषण के प्रकार बतायें।**

प्रश्न 8 **प्रथम प्राकृत किस भाषा को कहा जाता है** ?

प्रश्न 9 **भाषाविज्ञान क्या है** ?

प्रश्न 10 **हिन्दी की किन्हीं** 4 **बोलियों का नामोल्लेख करें।**

प्रश्न 11 **राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 12 **अल्पप्राण किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 13 **वाक्य परिवर्तन से क्या समझते हैं-**?

प्रश्न 14 **देशज शब्द से क्या अभिप्राय है** ?

प्रश्न 15 **संसार की भाषाओं को विभिन्न परिवारों में बाँटा गया है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवार का नाम बतायें।**

प्रश्न 16 **दंत्योष्ठय ध्वनि किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 17 **भाषा की कोई एक परिभाषा दें।**

प्रश्न 18 **उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर बतायें।**

प्रश्न 19 **मानस्वरों की संख्या कितनी है** ?

प्रश्न 20 **स्पर्श ध्वनि किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 21 **अर्थादेश का क्या अर्थ होता है** ?

प्रश्न 22 **शैली विज्ञान क्या है** ?

प्रश्न 23 **पूर्वी हिन्दी बोलियाँ किस अपभ्रंश से निकली है** ?

प्रश्न 24 **पद किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 25 **संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ दर्ज हैं** ?

प्रश्न 26 **द्रविड़ परिवार की चारों भाषाओं के नाम बतायें।**

प्रश्न 27 **पूर्वी हिन्दी बोलियों के नाम लिखें।**

प्रश्न 28 **आचार्य यास्क द्वारा रचित रचना का नाम बताएँ।**

प्रश्न 29 **भारोपीय परिवार में भारोपीय से क्या अभिप्राय हे** ?

प्रश्न 30 **मध्यकालीन भारतीय भाषाओं के नाम लिखें।**

प्रश्न 31 **राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं**?

प्रश्न 32 **मैथिली बोली किस वर्ग की बोली है** ?

प्रश्न 33 **भाषा की कोई एक पाश्चात्य परिभाषा दीजिए।**

प्रश्न 34 **अयोगात्मक भाषा किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 35 **भाषाओं के वर्गीकरण के प्रमुख सिद्धांतों के नाम बतायें।**

प्रश्न 36 **आप्तवाक्य किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 37 **अर्थोउत्कर्ष किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 38 **पशिचमी हिन्दी की** 2 **बोलियों के नाम लिखें।**

प्रश्न 39 **वाग्यंत्र किसे कहते है** ?

प्रश्न 40 **प्रयत्न लाघव से क्या अभिप्राय है-**?

प्रश्न 41 **भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों के नाम लिखें।**

प्रश्न 42 **भाषा में यादृचिछकता का गुण होता है। यादृचिछकता से क्या तात्पर्य है** ?

प्रश्न 43 **संसार में सबसे विस्तृत भाषा परिवार का नाम बताएँ-**?

प्रश्न 44 **अवधी किस हिन्दी वर्ग की बोली है** ?

प्रश्न 45 **अंतस्थ ध्वनियाँ किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 46 **व्याकरणिक कोटियों से क्या अभिप्राय है** ?

प्रश्न 47 **पश्चिमी हिन्दी बोलियाँ किस अपभ्रंश से निकली हैं** ?

प्रश्न 48 **अर्थापकर्ष से क्या तात्पर्य है** ?

प्रश्न 49 **मुनित्रय किन्हें कहते है** ?

प्रश्न 50 **अष्टाद्यायी में कुल कितने सूत्र है** ?

प्रश्न 51 **वत्सर्य किसे कहते है** ?

प्रश्न 52 **प्राकृत के कितने भेद है** ,

प्रश्न 53 **कातन्त्र शाखा मे कातन्त्र से क्या अर्थ ध्वनित होता है** ?

प्रश्न 54 **प्रशिलष्ट योगात्मक भाषा किसे कहते हैं** ?

प्रश्न 55 **निरूक्त में किस विषय पर प्रकाश डाला गया है** ?

प्रश्न 56 **मानष्ट किसे कहते है** ?

प्रश्न 57 **ग्रिम नियम के अपवादों को दूर करने हेतु कौन सा नियम सुझाया गया था**?

प्रश्न 58 **अनुनासिक किसे कहते है** ?

प्रश्न 59 **छत्तीसगढ़ी किस वर्ग की बोली है** ?

प्रश्न 60 **वाक्यपदीय के रचनाकार का नाम बताएँ।**

प्रश्न 61 **कूट भाषा किसे कहते है** ?

प्रश्न 62 **लिप्यंतरण किसे कहते है** ?

प्रश्न 63 **व्युत्पत्ति विज्ञान किसे कहते है** ?

प्रश्न 64 2 **पाश्चात्य भाषाविद के नाम लिखें।**

प्रश्न 65 **ब्रजभाषा किस हिन्दी वर्ग की बोली है** ?

प्रश्न 66 **अष्टाध्यायी किनकी रचना है**?

प्रश्न 67 **बलाघात के रचनाकार कौन है** ?

प्रश्न 68 **निरूक्त के रचनाकार कौन है** ?

प्रश्न 69 **प्रतिशाख्य का अर्थ बताएँ।**

प्रश्न 70 **शब्दानुशासन के रचनाकार कौन है** ?

प्रश्न 71 **पंचमाक्षर किसे कहते है** ?

प्रश्न 72 **माहेश्वर सूत्र किसे कहते है** ?

उत्तर तालिका खण्ड अ

1 **भाषा शब्द 'भाष' से बना है, जिसका अर्थ कहना या बोलना है। भाषा विचारविनिमय का - माध्यम है।**

2 **मैथिली, मगही और भोजपुरी।**

3 **शासन, विधान, न्याय और कार्यपालिका के क्षेत्र में व्यक्त होने वाली भाषा राजभाषा है।**

4 **अर्थविज्ञान भाषाविज्ञान काएक प्रमुख विभाग है। इसके अंतर्गत अर्थ क्या है** ? **अर्थ बोध कैसे होता है (ग्रहण)**? **अर्थपरिवर्तन के कारणों और दिशाओं इत्यादि का अध्ययन किया - जाता है।**

5 **मानव-मुख से उच्चरित सार्थक ध्वनियों की वह व्यवस्था, जो अपना तात्कालिक उद्देश्य प्रकट करें।**

6 **भाषा का अपना व्याकरण होता है, बोली का नहीं। भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है जबकि बोली का सीमित।**

7 3 **प्रकार तुलनात्मक शैली विश्लेषण -, वर्णनात्मक शैली विश्लेषण और परिवेशगत शैली विश्लेषण।**

8 **पालि भाषा।**

9 **भाषाविज्ञान के अंतर्गत भाषा, ध्वनिविज्ञान-, अर्थविज्ञान-, पदविज्ञान-, वाक्यविज्ञान इत्यादि का अध्ययन किया जाता है।**

10 **अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी, मैथिली, भोजपुरी, ब्रजभाषा, हरियाणवी इत्यादि।**

11 **राष्ट्रभाषा अर्थात सम्पर्क भाषा। जो भाषा सम्पूर्ण देश में सम्पर्क साधने का काम करे वह राष्ट्रभाषा है।**

12 **महाप्राण का विपर्यय - अल्पप्राण है। अल्प अर्थात थोड़ा और प्राण का अर्थ है (उल्टा) वायु। जिन वर्णो के उच्चारण में वायु मुँह से थोड़ा निकले (कम), उसे अल्पप्राण ध्वनियाँ कहते हैं।**

13 **वाक्यपरिर्वतन में वाक्य के स्वरूप में -परिवर्तन से तात्पर्य भाषा की लोच से है। वाक्य-परिवर्तन कर दिया जाता है। अर्थ यथावत रहता है। इसे वाक्यान्तरण, वाक्य रूपान्तरण भी कहते हैं।**

14 देशज अर्थात देश में जन्मा शब्द। जो शब्द अपने देश में जन्में हों, उन्हें देशज शब्द कहते हैं।

15 भारोपीय परिवार

16 हिंदी की वे व्यंजन ध्वनियाँ व और)फर नीचे के होठों जिनका उच्चारण ऊपर के दाँतों औ (द्वारा होता है, दंत्योष्ठय ध्वनियाँ कहलाती हैं।

17 भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य परस्पर विचार विनिमय करता है।

18 उपसर्ग वे शब्द या शब्दांश हैं, जो मूल शब्द के आगे जुड़कर अर्थ में विशेषत्व या परिवर्तन लाते हैं जबकि प्रत्यय वे शब्द या शब्दांश हैं, जो शब्द के पीछे जुड़कर अर्थ में विशेषत्व या परिवर्तन लाते हैं।

19 आठ (8)

20 जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मुखविवर के ऊपरी भाग को कहींकहीं स्पर्श करती -न- है, उसे 'स्पर्श ध्वनि' कहते हैं।

21 अर्थादेश का अर्थ है - एक अर्थ के स्थान पर दूसरे अर्थ का आ जाना।

22 शैलीविज्ञान भाषाविज्ञान की प्रयोगात्मक पद्धति है, जिसकी प्रविधि भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाओं से निष्पन्न है। शैलीविज्ञान के माध्यम से किसी शब्द के अर्थ का निश्चय भाषा संरचना के सापेक्ष, उसके प्रयोग इत्यादि के आधार पर किया जाता हैं

23 अर्द्वमागधी अपभ्रंश से।

24 मूलशब्द एवं संबंधतत्त्व के योग को पद कहते हैं।

25 बाईस भाषाएँ (22)

26 तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम

27 अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी

28 निरूक्त

29 भारत और योरोपीय

30 पालि, प्राकृत और अपभ्रंश

31 राष्ट्रभाषा अर्थात राष्ट्र की भाषा। जो भाषा समूचे राष्ट्र में सम्पर्क साधने का काम करेवह राष्ट्रभाषा है।

32 बिहारी हिन्दी

33 भाषा यादृचिछक ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है, जिसके द्वारा एक सामाजिक समुदाय के लोग जो एक ही संस्कृति के सहचर हैं, भवविनिमय या संवाद करते हैं।इनसाइक्लेपीडिया - ब्रि टेनिका

34 वे भाषाएँ, जिनमें किसी प्रकार का योग प्रकृति, प्रत्यय, उपसर्ग अथवा अन्य रचना तत्त्व संबंधी भाषा जैसे - चीनी

35 आकृतिमूलक वर्गीकरण एवं पारिवारिक वर्गीकरण

36 विशिष्ट और अधिकारी विद्वान जिस शब्द का जो अर्थ निशिचत कर देते हैं, उसे आप्तवाक्य कहते हैं। जैसे पंतजी ने रेडियो के लिए आकाशवाणी का अर्थ निशिचत कर दिया।-

37 निकृष्ट अर्थ में प्रयुक्त होनेवाला शब्द का उत्कृष्ट अर्थ में प्रयोग अर्थोत्कर्ष कहलाता है। जैसे साहस-, मुग्ध शब्द।

38 ब्रजभाषा, खड़ीबोली

39 उच्चारण अवयवों के-सम्मिलित रूप को वाग्यंत्र कहते हैं।

40 ध्वनि उच्चारण की सरलता हेतु छोटे प्रयास को प्रयत्न लाघव कहते हैं। जैसे ब्राह्राण का - बामन।

41 वर्णात्मक,ऐतिहसिक तुलनात्मक और यौगिक या व्यावहारिक।

42 माना हुआ अथवा जैसी इच्छा हो।

43 भारोपीय परिवार

44 पूर्वी हिन्दी

45 स्वर एवं व्यंजन की मध्यवर्ती ध्वनियाँ अंतस्थ ध्वनियाँ कहलाती हैं। 'य' और 'व' ये 2 अंतस्थ ध्वनियाँ हैं।

46 जो रूप किसी भाषा को सुव्यवस्थित और सौंदर्यपूर्ण बनाते हैं, वे उस भाषा की व्याकरणिक कोटियाँ कहलाते हैं।

47 शौरसेनी अपभ्रंश

48 उत्कृष्ट अर्थ में प्रयुक्त होने वाला शब्द जब निकृष्ट अर्थ में प्रयुक्त होने लगे तो उसे अर्थापकर्ष कहते हैं। जैसे सहवास -, शौच अत्यादि शब्द अर्थापकर्ष के उदाहरण हैं।

49 पाणिनि, कान्याजन, पतंजलि

50 14 सूत्र

51 दाँतो की जड़ में मसूढे के पास का खुरदरा हिस्सा

52 5 भेद - शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, महाराष्ट्री और पैशाची

53 संक्षिप्त व्याकरण

54 प्रशिल्ष्ट योगात्मक भाषा में संबंध तत्व और अर्थतत्व का योग इतना घुला होता है कि इन्हें अलग अलग न तो पहचाना जा सकता है और न इन्हें अलग किया जा सकता है।-

55 निरूक्त में जहाँ निघण्टु के शब्दों के अर्थ समझाने की कोशिश है वहीं प्रयोग और अर्थ की स्पंष्टत के लिए वैदिक संहिताओं के शब्द प्रयोग के उदाहरण भी दिये गये हैं,

56 आठ सर्वजनीन स्वर जिन्हें मानक स्वर की मान्यता दी गई है, मानस्वर है।

57 बर्नर नियम

58 जिन ध्वनियों के उच्चारण में वायु मुखविवर के साथ-साथ नासिका से भी निकलती है, उसे अनुनासिक कहते हैं। जेसे ङ, ञ, ण

59 पूर्वी हिन्दी

60 भतृंहरि

61 संकेत युक्त भाषा कूटभाषा है, जिसमें कोई संदेश छिपा हुआ हैं।

62 एक भाषा को एक लिपि से दूसरी लिपि में लिखा जाना।

63 इसमें शब्दों की व्युत्पत्ति और विकास पर विचार किया जाता है। इसमें शब्द का उद्भव विकास का अध्ययन होता है।

64 डाहार्नले ., जान बीक्स

65 पश्चिमी हिन्दी

66 पाणिनि

67 उच्चारण करते समय किसी ध्वनि विशेष पर इस तरह का खास बल पड़ना या देना, जिससे अन्य ध्वनियाँ क्षीण हो जायें।

68 **यास्क**

69 **प्रतिशाख्य का अर्थ है प्रतिशाखा के अनुसार वेद का ध्वनि संबंधी अध्ययन।**

70 **हेमचंद्र**

71 **व्यंजन के प्रत्येक वर्ग का पाँचवाँ अनुनासिक अक्षर पंचमाक्षर कहलाता है। इन, म, ङ , ण, न।**

72 **पाणिनि के** 14 **सूत्रों को माहेश्वर सूत्र कहते हैं।**